



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 3 मार्च, 2000/13 फाल्गुन, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

कुल्लू, 18 फरवरी, 2000

संख्या 421-25.—अंकेक्षण पत्र अक्टूबर 4/96 से 3/97, 4/97 से 3/98 तथा 4/98 से 3/99 में निम्न गंभीर आपत्तियाँ पाई गई हैं :—

1. प्रधान, श्रीमती शीला देवी द्वारा अंकेक्षण पत्रों में मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से लगातार नकद शेष रखकर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज विनियम 8 का उल्लंघन किया जा रहा है तथा साथ ही पंचायत की राशि का दुरुपयोग भी किया जा रहा है। वर्ष 4/98 से 3/99 के अंकेक्षण दिनांक 18-12-99 को भी प्रधान के पास मु० 10243/- रु० नकद शेष पंचायत निधि का तथा 2332 रु० 40 पैसे 0 आर० बाई० का भी जिसे अंकेक्षण के दौरान उपस्थित न होकर हिसाब देने में असमर्थ रही। प्रधान द्वारा रखे गए

नकद शेष का विवरण निम्न प्रकार से है :—

अवधि	रखा गया नकद शेष
1. 5-7-96 से 12-7-96	7800.00
2. 13-7-96 से 4-10-96	5388.00
3. 6-5-97 से 2-7-97	20060.00
4. 6-5-97 से 17-9-97	729.00 (जे० आर० वाई०)
5. 3-7-97 से 14-10-97	9467.00
6. 15-10-97 से 23-10-97	9492.00
7. 24-10-97 से 28-1-98	9485.00
8. 29-1-98 से 23-3-98	10209.00
9. 24-3-98 से 31-3-98	10104.00
10. 1-4-98 से 23-5-98	9952.00
11. 24-5-98 से 26-7-98	9938.00
12. 27-7-98 से 26-9-99	12146.00
13. 27-9-98 से 8-11-98	12147.00
14. 9-11-98 से 8-1-99	12223.00
15. 9-1-99 से 1-2-99	10225.00
16. 2-2-99 से 26-2-99	10914.00
17. 27-2-99 से 31-3-99	10177.00
18. 1-4-99 से 19-12-99	2332.40 (जे० आर० वाई०)

उपरोक्त नकद शेष रखने के लिए मु० 3368/- रु० साधारण निधि का तथा 497/- रु० जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत ब्याज बचूली योग्य है।

2. अंकेक्षण पत्र 4/96 से 3/97 के पैरा 5 (ख) (3) अनुसार दिनांक 5-10-96 को मु० 4784/- रु० के जी० आई० पाईप शीतला पुल हेतु ऋण किए गए हैं जिसके सम्बन्ध में अंकेक्षण के दौरान लोगों ने मौखिक रूप से इन पाईपों के प्रयोग न होने की बात कही है। इस बारे में प्रयोग प्रमाण-पत्र आज तक प्रस्तुत नहीं किया गया।

3. अंकेक्षण पत्र अवधि 4/97 से 3/98 के पैरा 5 (ख) (14) अनुसार एक ही अवधि में एक ही व्यक्ति की उपस्थिति लगाकर मु० 1372.50 रु० की अनियमित अदायगी की गई है तथा राशि का अपहरण हुआ है।

4. अंकेक्षण पत्र अवधि 4/98 से 3/99 के पैरा 5 (ख) (1) अनुसार मास 2/98 में 29 तारीख की हाजरी, पैरा 5 (ख) (3) अनुसार मास 4/98 में 31 तारीख की हाजरी, पैरा 5 (ख) (4) अनुसार मास 4/98 में 31 तारीख की हाजरी तथा पैरा 5 (ख) (6) अनुसार मास 1/98 में 32 दिनों की हाजरी लगाकर क्रमशः 423/-, 937.50, तथा 377.25 कुल मु० 2675.25 रु० का अतिरिक्त व्यय दर्शाकर राशि का अपहरण हुआ है।

5. अंकेक्षण पत्र अवधि 4/98 से 3/99 के पैरा 5 (ख) (5) अनुसार एक ही अवधि में दो मस्ट्रोलों पर एक ही मजदूर की हाजरी लगाकर मु० 137.25 रु० का अपहरण हुआ है।

उपरोक्त आपत्तियों के समाधान हेतु इस कार्यालय के पत्र संख्या 792-93, दिनांक 17-5-99 तथा पंजीकृत पत्र संख्या 94, दिनांक 10-1-2000 द्वारा प्रधान श्रीमती शीला देवी को राशि जमा करने तथा आपत्तियों के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट करने हेतु लिखा गया है परन्तु आज तक न तो प्रधान द्वारा कोई राशि जमा करने की सूचना दी गई है और न ही कोई स्थिति स्पष्ट की है।

अतः, मैं, दश्री सन्डुप, जिला पंचायत अधिकारी, कुल्लु हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती शीला देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत थाटू, विकास खण्ड निरमण्ड को कारण बताओ, नोटिस देता हूँ कि क्यों न इन्हें उक्त कृत्यों के लिए प्रधान पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर इस कार्यालय को इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से पहुंच जाना चाहिए अन्यथा उनका विरुद्ध आगामी आवश्यक एकरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

दश्री सन्डुप,
जिला पंचायत अधिकारी,
कुल्लु, जिला कुल्लु, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

शिमला-1, 23 फरवरी, 2000

संख्या पी सी एच-ए एम एल (4)-59/77. --बढ़ कि प्रधान, ग्राम पंचायत महीरी; विकास खण्ड ठियोग, जिला शिमला ने पत्र संख्या शम्भू दिनांक 20-7-1999 के अन्तर्गत सूचित किया कि श्रीमती लीला देवी काल्टा, सदस्य, ग्राम पंचायत महीरी जुलाई, 1998 से लगातार पंचायत की बैठकों से अनुपस्थित रह रही हैं जिस कारण गणपूर्णा पूर्ण होने में बाधा उत्पन्न हो रही है और विकास कार्यों के निष्पादन में विलम्ब हो रहा है।

यह कि उक्त शिकायत पर खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग की टिप्पणी ली गई और खण्ड विकास अधिकारी ने अपने पत्र संख्या ठियोग पंच/2090(4)2-2018, दिनांक 11 जनवरी, 2000 के अन्तर्गत यह पुष्टि की है कि श्रीमती लीला देवी काल्टा, दिनांक 28-8-98 से 14-2-1999, 14-4-99 से 10-8-99, 27-9-99 से 27-10-99 और 24-11-99 को ग्राम पंचायत की 13 बैठकों में अनुपस्थित रही जिसमें 20-8-1998 से 14-1-1999 तक लगातार 4 बैठकों तथा 14-4-1999 से 10-8-1999 तक 7 बर्षाधार बैठकों शामिल हैं। इस प्रकार उक्त श्रीमती लीला देवी काल्टा अपने कर्तव्यों को निभाने में असफल रही हैं और वह हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1)(ख) के प्रावधानों के अन्तर्गत ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिए अयोग्य हो चुकी है।

अतः मैं, पी0 सी0 कटोच, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2) के अधीन प्रदत्त हैं, श्रीमती लीला देवी काल्टा, सदस्य, ग्राम पंचायत महीरी, तहसील ठियोग, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश को उनके पद से निष्कासन करने से पूर्व स्थिति स्पष्ट करने के लिए 15 दिन को अवधि में कारण बताने का अवसर प्रदान करता हूँ। निर्धारित अवधि में उनका प्रति उत्तर खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग, जिला शिमला के माध्यम से प्राप्त न होने की स्थिति में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

पी0 सी0 कटोच,
उपायुक्त शिमला,
जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

